कांग्रेस अध्यक्ष का भाषण
जनसभा
बालोद–दुर्ग (छत्तीसगढ़)
14 अप्रैल, 2009

बुजुर्गो, बहनो और भाइयो,

छत्तीसगढ़ की इस पवित्र और ऐतिहासिक भूमि पर आकर मुझे खुशी का अनुभव हो रहा है। यहां के संतों, फ़कीरों, देश–भक्तों और स्वाधीनता सेनानियों सभी को मैं प्रणाम करती हूं। यह मेहनती किसानों की भूमि है।

छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' कहते हैं। लेकिन यहां के किसानों की दशा देखकर अफ़सोस होता है। यह राज्य सरकार की ज़िम्मेदारी है, कि कम से कम वह केंद्र सरकार की नीतियों को ईमानदारी से लागू करे, जिससे हमारे किसान भाइयों और दूसरे नागरिकों की ज़िंदगी में खुशहाली आए।

आप सब जानते हैं, कि कांग्रेस की सरकारों ने छत्तीसगढ़ के विकास में ऐतिहासिक भूमिका निभायी है। नया राज्य बनने के बाद जब यहां कांग्रेस की सरकार थी, प्रगति और विकास के काम हुए, लेकिन जब दूसरी पार्टियों की सरकारें बनीं, लोगों की समस्याएं बढ़ी हैं। बेरोज़गारी और ग़रीबी की क्या दशा है? यहां की प्रगति और विकास के लिए जो कुछ भी ज़रूरत है, सब कुछ इस प्रदेश में है। प्राकृतिक दौलत है, मेहनती लोग हैं। अगर कुछ कमी है, तो वह राज करने वालों की नीयत में है, उनकी भावना में है।

पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस और डॉ0 मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में, केंद्र की हमारी सरकार ने प्रगति और विकास के लिए छत्तीसगढ़ को खूब सहायता दी है। अब तक यहां उसका साफ़ असर दिखना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं है। केंद्र सरकार ने देश के अन्नदाता किसानों की परेशानियों को देखते हुए पैंसठ हज़ार करोड़ रुपये के कर्ज़ माफ़ किए, धान का समर्थन मूल्य भी बढ़ाया और उन्हें एक नया जीवन दिया।

आपको याद होगा भाजपा–NDA सरकार ने अपने छः साल के शासन–काल में आपके लिए कुछ नहीं किया। जिस राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार योजना के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये छत्तीसगढ़ को दिए, उसका भी असर नहीं दिखायी देता। यह योजना किसके लिए थी? यह हमारे ग़रीब और बेरोज़गार बहनों और भाइयों के लिए है, नौजवानों के लिए है। इसकी वजह से साल में कम से कम सौ दिन के रोज़गार की गारंटी है।

जब केंद्र में हमारी सरकार ने पांच साल पहले ज़िम्मेदारी संभाली थी, तो वहां भी स्थिति काफ़ी बिगड़ी थी। प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में हम फिर मेहनत करके किसी तरह देश को विकास के रास्ते पर वापस लाए। आर्थिक विकास की दर में ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी हुई। जिस समय दुनिया भर की अर्थ–व्यवस्था बिगड़ रही है, हमारी नीतियों से हमारा देश एक मज़बूत आधार पर खड़ा है। हमने विकास की योजनाओं में कोई कमी नहीं आने दी। नयी–नयी योजनाएं लागू हुईं, भारत–निर्माण के कार्यक्रम शुरू हुए, शिक्षा और स्वास्थ्य मिशन के साथ सड़क, बिजली, पानी के क्षेत्रों में ज़बर्दस्त ढंग से देश आगे बढ़ा। सरकारी स्कूलों में पंद्रह करोड़ छोटे बच्चों को दोपहर के भोजन का लाभ मिल रहा है, ये सभी कार्यक्रम हमने लागू किए हैं। इस तरह का इतना बड़ा कार्यक्रम दुनिया में कहीं नहीं है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कानून बनाने के साथ ही स्वयं–सहायता समूहों के ज़रिए उन्हें आर्थिक तौर पर आत्म–निर्भर बनाया जा रहा है। आंगनवाड़ियों में जो हमारी प्यारी बहनें काम करती हैं, उनका पैसा बढ़ाया है।

हम अपने आदिवासी भाई–बहनों की ज़िंदगी की ज़रूरतों को समझते हैं। आप खुद जानते हैं, कि इंदिरा जी और राजीव जी को आदिवासी भाइयों और उनकी परंपरा से कितना प्यार था। हमारी सरकार ने सारे देश में आदिवासी भाइयों की ज़िंदगी में खुशहाली लाने के लिए ज़मीन और छोटी उपज पर उनको कानूनी अधिकार दिया है। मुझे बताया गया है, कि इस नीति का सबसे ज़्यादा फ़ायदा बस्तर और सरगुजा के लोगों को हुआ है।

आदिवासी बच्चों ख़ासकर लड़कियों के लिए Scholarship शुरू हुई है। नये नवोदय विद्यालय और दूसरी शिक्षा संस्थाएं खोली गयी हैं। पुनर्वास और विस्थापन का एक ऐसा कानून बनाया है, कि विकास के कामों के दौरान अगर हमारे किसी भी भाई–बहन को वहां से हटाया जाता है, तो सबसे पहले कानूनी तौर पर उसका पुनर्वास किया जाएगा। इसी तरह असंगठित क्षेत्र के मज़दूर भाई–बहनों के लिए कानून बनाने के साथ ही बीमा योजना और वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की है।

हमने अपने इस चुनाव के घोषणा–पत्र में तमाम योजनाओं का ऐलान किया है और उसके साथ–साथ ग़रीब परिवारों के लिए सस्ता चावल और गेहूं दिलाने का वादा किया है।

बहनो और भाइयो,

लोक–सभा के मौजूदा चुनाव देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। जो जनता की भलाई के काम करें, देश हित के काम करें, उनका समर्थन करना है। यह काम कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है, कि कांग्रेस पार्टी पर विश्वास रखें और चुनाव के दिन अपना एक–एक वोट देकर कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताएं, केंद्र मं डॉ0 मनमोहन सिंह जी नेतृत्व में एक स्थायी और मज़बूत सरकार बनाएं। यह जीत आपकी जीत होगी, प्रगति और विकास की जीत होगी, छत्तीसगढ़ की जीत होगी।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबको इस सभा में आने के लिए धन्यवाद देती हूं।

जय–हिंद।